## RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER –I GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES

Unit-II - **ECONOMICS**

**नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।**

**1. मुद्रा की बाजार आधारित विनियम दर (Marked based exchange rate) से क्या तात्पर्य हैं ?**

**उत्तरः**–मुद्रा की बाजार आधारित विनिमय दर बाजार में मुद्रा की मांग व आपूर्ति के द्वारा निर्धारित होती हैं।

**2. मुद्रा की परिवर्तनीयता (Convertability) से क्या आशय हैं ?**

**उत्तरः**– घरेलु मुद्रा को बिना किसी सरकारी अनुमति के किसी भी उद्देश्य के लिए विदेशी मुद्रा में बदलने की प्रक्रिया मुद्रा की परिवर्तनीयता कहलाती हैं।

**3. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) व प्रत्यक्ष संस्थागत निवेश (FII) में कोई दो अन्तर लिखिए ?**

| FDI | FII |
|---|---|
| i. अपेक्षाकृत स्थायी प्रकृति का निवेश (पूंजी पलायन की प्रवृत्ति कम)<br>ii. प्रबंधन में प्रत्यक्ष भागीदारी | i. अस्थायी प्रकृति (पूंजी पलायन की प्रवृत्ति अधिक)<br>ii. प्रबंधन में भागीदारी नहीं |

**4. मानव विकास सूचकांक (HDI) की गणना में सम्मिलित घटक लिखिए ?**

i. जीवन प्रत्याशा

ii. शिक्षा का स्तर

iii. प्रति व्यक्ति आय

**5. व्यापार सुगमता (Ease of doing business) के संदर्भ में भारत की स्थिति बताइयें ?**

**उत्तरः**– वर्तमान में व्यापार सुगमता के संदर्भ में भारत का विश्व में 77वॉ स्थान हैं।

**6. पी-नोट्स (P-Notes) क्या होते हैं ? इस संबंध में क्या विवाद रहा हैं ?**

**उत्तरः**– पी-नोट्स अर्थात् पार्टिसिपेटरी नोट्स ऐसे वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट है जिनके माध्यम से विदेशी निवेशक सेबी में पंजीकृत हुए बिना भारतीय सिक्योरीटीज में निवेश कर सकते हैं। इन्हें पंजीकृत विदेशी ब्रोकरेज हाउस द्वारा जारी किया जाता हैं। पहचान की गोपनीयता के कारण इनका उपयोग कालेधन के शोधन व कर वंचना हेतु किये जाने की आंशका है, यद्यपि सेबी के पास इनके क्रेता की जानकारी लेने का अधिकार है किन्तु कई मामलों मे अंतिम क्रेता भिन्न होता हैं। इस संदर्भ में पी-नोट्स लम्बे समय से विवादित हैं।

**7. "मुदा का अवमूल्यन (Devaluation) : आर्थिक संकट से सुरक्षा कवच अथवा आर्थिक विकास का माध्यम " उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ?**

**उत्तरः**–समय समय पर विभिन्न देशों द्वारा मुद्रा का अवमूल्यन भिन्न-भिन्न उद्देश्यों की पूर्ति हेतु किया जाता है। इसी क्रम में आर्थिक संकट से बचाव हेतु वेनेजुएला ने अपनी मुद्रा बोलीवर का लगभग 96% अवमूल्यन कर देश में आर्थिक स्थिरता प्रदान की एवं अर्थव्यवस्था को डूबने से बचाने का प्रयास किया। इसके विपरीत चीन द्वारा विनिर्माण, सेवा एवं निर्यातों को प्रोत्साहित कर अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के छद्म उद्देश्य से युआन का अवमूल्यन किया गया। हालांकि अवमूल्यन तभी सफल हो सकता है जब आंतरिक मूल्य स्थिरता रहे, मुद्रा युद्ध (करेंसी वार) की स्थिति न बने व निर्यात संबंधी वस्तुओं का पर्याप्त स्तर तक उत्पादित किया जा सके।

**8. "ज्ञान का विकास और दक्षता का निर्माण आर्थिक विकास के मौलिक निर्धारक है।" टिप्पणी कीजिए ?**

**उत्तरः**– किसी देश के भौतिक संसाधनों का उपयोग उस देश के मानव संसाधन की दक्षता पर निर्भर करता हैं। वस्तुतः इसी कारण मानव संसाधन को मानवीय पूंजी व इसके प्रशिक्षण की लागत को निवेश की संज्ञा दी गई है। जापान, इजराइल इत्यादि देशों के उदाहरण से यह स्पष्ट है कि सीमित भौतिक संसाधनों व विपरीत भौगोलिक व सामरिक परिस्थितियों में भी उद्यमशीलता की प्रवृत्ति, नवाचारो की ग्रहणशीलता, जोखिम लेने का साहस,

जनसंख्या की कुशलता, गुणवत्तापूर्ण कार्य संस्कृति, इत्यादि कारको से पर्याप्त औद्योगिक संवृद्धि व विकास प्राप्त किया जा सकता हैं।

वर्तमान वैश्वीकरण के युग में प्रत्येक भौतिक संसाधन की प्रतिस्थापन व प्राप्ति विश्व के किसी भी देश में संभव है किन्तु एकमात्र ऐसा संसाधन जिसकी प्रतिकृति निर्मित करना संभव नहीं है, तो वह मानव संसाधन है। अतः किसी राष्ट्र की प्रतिस्पर्धी क्षमता का आधार जनसंख्या के ज्ञान, दक्षता व अभिवृत्ति पर निर्भर हैं। इसके विपरीत जनसंख्या के अकुशल होने पर जो संसाधन विकास हेतु उपयोग में आने चाहिए वे संसाधन अप्रयोज्य जनसंख्या की आवश्यकता पूर्ति में खर्च करने पडते हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त भार पड़ता है। अतः ज्ञान का विकास व दक्षता का निर्माण आर्थिक विकास के मौलिक निर्धारक हैं।

सारथि एकेडमी